Rohtas Mahila College, SASARAM

Study Material For B.A. III (SANSKRIT)

Paper – VII

Date 22.5.2020

(Text Book – काव्यदीपिका)

Dr. Savitri Singh,
Associate Professor,
Deptt. of Sanskrit,
R.M.C. SASARAM

दिनांक 21.5.2020 के अध्ययन सामग्री शेष भाग

Topic शब्द शक्तियों के स्वरूप का वर्णन (मम्मट)

(1.) अभिधा (मम्मट) काव्य के लक्षण, प्रयोजन इत्यादि की विवेचना के सन्दर्भ में काव्यप्रकाशकार आचार्य मम्मट ने काव्यभूमि में तीन प्रकार के शब्दों का और तीन प्रकार के शब्दशक्तियों का उल्लेख किया। इसी क्रम में अभिधा शक्ति की विवेचना की गई।

साक्षात् संकेतितं योऽर्थमभिधत्ते स वाचकः ॥ 3 ॥

जो शब्द साक्षात् संकेतित अर्थ को बताता है, वह वाचक शब्द है। जैसे 'गौ' शब्द का अर्थ है उस सास्ना (= गलकम्बल) आदि वाला पशुविशेष। गौ शब्द से इसी अर्थ (वस्तु) की सामान्यतः प्रतीति होती है। इस मुख्य अर्थ (वाच्यार्थ) को प्रकट करने वाला 'गौ' आदि शब्द वाचक कहलाता है। इसी स्वाभाविक शक्ति को काव्य ग्रन्थों में अभिधा कहा गया है। इस अभिधा के द्वारा जिस अर्थ का बोध होता है उसे वाच्य अर्थ कहते हैं। वह वाच्य अर्थ शब्द से प्रथम उपस्थित होने के कारण प्रधान होने से मुख्यार्थ भी कहा जाता है।

(2.) लक्षणा मुख्यार्थबाधे तद्युक्तो ययाऽन्योऽर्थः प्रतीयते।
रूढेः प्रयोजनाद्वाऽसौ लक्षणा शक्तिरर्पिता ॥ 5 ॥
(विश्वनाथ)

Scanned with CamScanner

जो शब्द लक्षणाशक्ति के द्वारा किसी विशेष अर्थ का बोध कराता है, उसे लाक्षणिक कहते हैं इसी प्रकार वह शब्द जिस अर्थ का बोध कराता है, उसे लक्ष्य अर्थ कहते हैं

अभिधा शक्ति से नियन्त्रित मुख्य अर्थ की अनुपपत्ति (बाध) होने पर मुख्य अर्थ से सम्बद्ध कोई दूसरा अर्थ जिससे प्रतीत हो, वह लक्षणा नाम की वृत्ति है

ऐसा किसी रूढ़ि अथवा प्रयोजन से हुआ करता है। इस विवेचन से स्पष्ट होता है कि मुख्यार्थ से काम न चलने पर ही रूढ़ि या प्रयोजन के कारण शब्द अपनी जिस शक्ति के बल से मुख्यार्थ से सम्बद्ध किसी अन्य अर्थ का बोध कराता है, उस शक्ति को लक्षणा कहते हैं; रूढ़ि नाम प्रसिद्धि का है। किसी ने कहा है कि 'कलिङ्गः साहसिकः' अर्थात कलिंग बड़े साहसी होते हैं। वास्तव में देखा जाय तो कलिंग किसी देश अथवा स्थान विशेष का नाम है। साहस देश का नहीं व्यक्ति का गुण होता है लेकिन यहाँ मुख्यार्थ से काम नहीं चलता। अब यहाँ कलिंग नाम से कलिंग देश के निवासियों का अर्थ उपस्थित करने वाली शक्ति लक्षणा शक्ति है।

इस उदाहरण में 'कलिंगः साहसिकः' केवल रूढ़ि (लोक प्रसिद्धि) निहित है अतः यह 'रूढ़ि लक्षणा' का रूप है

क्रमशः →